



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 347]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 13, 2009/कार्तिक 22, 1931

No. 347]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 13, 2009/KARTIKA 22, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 2009

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : मलेशिया, थाइलैंड और वियतनाम से डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क-रिकार्डेबल (डीवीडी-आर तथा डीवीडी-आरडब्ल्यू) के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच का प्रारंभिक जांच परिणाम।

फा. सं. 14/16/2009-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे आगे नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए :

2. यतः आप्टिकल डिस्क मैन्यु वेलफेर एसोसिएशन (ओडीएमडब्ल्यूए), नई दिल्ली (जिसे आगे आवेदक कहा गया है) ने सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे आगे नियम कहा गया है) के अनुसार मलेशिया, थाइलैंड और वियतनाम (जिन्हें आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क-रिकार्डेबल (डीवीडी-आर तथा डीवीडी-आरडब्ल्यू) (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया है। नियम 5(5) के अनुसार संबद्ध देशों के दूतावासों को पूर्णतः प्रलेखित आवेदन की प्राप्ति के बारे में सूचित कर दिया गया था।

3. और यतः घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने, जिसे यदि वसूल किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, नियमावली में उप-नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 5 मई, 2009 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया।

क. सामान्य

4. प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त जांच की शुरूआत को अधिसूचित करने वाली सार्वजनिक सूचना को जारी करने के बाद इस जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :-

- क) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 5.5.09 की जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों, उपलब्ध पतों के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को भेजी और उनसे जांच शुरूआत की अधिसूचना की तारीख से 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया ।
- ख) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार, आवेदक के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध कराई ।
- ग) नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरूआत के बारे में नई दिल्ली स्थिति संबद्ध देशों के दूतावासों को इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वे निर्धारित अवधि के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी निर्यातकों के नाम और पतों के साथ संबद्ध देशों के दूतावासों को भेजी गई थीं ।
- घ) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना मांगने के लिए प्रश्नावलियां भेजी । प्राधिकारी ने वियतनाम के निर्यातकों को भी ब्याजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार से संबंधित प्रश्नावली भेजी ।
- ड) डीजीसीआईएंडएस ने पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयात के ब्यारे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था परंतु आंकड़े प्राप्त नहीं हुए हैं । इस जांच परिणाम में इंपैक्स स्टेटिक्स से प्राप्त आंकड़ों पर भरोसा किया गया है;
- घ) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षणार्थ खुला रखा ;
- छ) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों (जीएएपी) के आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की इष्टतम लागत तथा उसे बनाने और बेचने की लागत का अनंतिम रूप से आकलन किया गया था ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनसेधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा;

ज) वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1 अप्रैल, 2008 से मार्च, 2009 (12 माह) की है। तथापि, क्षति विश्लेषण में अप्रैल, 2005-मार्च, 06, अप्रैल, 2006-मार्च, 2007, अप्रैल, 2007-मार्च, 2008 की अवधि और जांच अवधि शामिल है।

झ) उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में वियतनाम के एक निर्यातक मै. रीटेक वियतनाम कंपनी लिमिटेड ने सूचना प्रस्तुत की है। संबद्ध देशों के अन्य निर्यातकों ने प्रश्नावली के अपने उत्तर दायर नहीं किए हैं और उन्हें असहयोगी माना गया है।

ञ) *** यह चिन्ह इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का घोतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।

ख. विचाराधीन

5. विचाराधीन उत्पाद "सभी प्रकार की रिकॉर्डबल डिजीटल वर्सेटाइल डिस्क (डीवीडी)" है जिसका मलेशिया, थाइलैंड और वियतनाम के निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में पाठन किया जा रहा है। डीवीडी अनेक प्रकार की हो सकती है जैसे कि डीवीडी-आर, डीवीडी +आर, डीवीडी -आरडब्ल्यू, डीवीडी +आरडब्ल्यू, मिनी डीवीडी-आर, मिनी डीवीडी-आरडब्ल्यू। डीवीडी को एक बार या कई बार रिकार्ड किया जा सकता है।

6. डीवीडी-आर तथा डीवीडी + आर डिस्क एक तरफ या दोतरफा हो सकती है। एकतरफा (एसएस) डिस्क में एकतरफ रिकार्डिंग होती है और दूसरी तरफ डमी होती है जबकि दोतरफा (डीएस) डिस्क में दोनों तरफ रिकार्डिंग होती है। डीवीडी-आर तथा डीवीडी+आर की रिकार्डिंग वाली तरफ अनेक पर्ती की एक सेंडविच है।

- मास्टरिंग : आप्टिकल डिस्कों के लिए मास्टर तैयार करने की प्रक्रिया को आम तौर पर "मास्टरिंग" कहा जाता है जिसमें अंतिम चरण पर निकल या इसी प्रकार के धात्तिक मास्टर अर्थात् "स्टाम्पर" को तैयार किया जाता है। परवर्ती मोल्डिंग प्रक्रिया में मोल्ड के रूप में स्टाम्पर के उपयोग से अनेकों आप्टिकल डिस्कों को तैयार किया जाता है।
- मोल्डिंग: सर्वग्रन्थम पोलीकार्बोनेट प्लास्टिक की तरह होती है जिसमें अंदर से लेकर डिस्क के बाहरी व्यास तक हल्की स्पायरल ग्रूब होती है।
- डाई कोटर: इस भाग में रिक्त सतह पर एक कार्बनिक डाई रिकॉर्डिंग पर (एजैडओ) लगाई जाती है। वह परत रिकार्डिंग परत के रूप में कार्य करती है। डाई का उपयोग डीसी स्पटरिंग के जरिए स्पिन कोटिंग तथा धातु की परतों के माध्यम से किया जाता है।
- स्पटर (धात्तिकरण): डिस्क पर धातु की एक चमकदार परत (चांदी) लगाई जाती है।
- बॉन्डिंग: तत्पश्चात एक आसंजक द्वारा दोनों रिकॉर्डिंग तरफों (दोतरफा हेतु) या एक रिकॉर्डिंग तथा डमी की तरफ (इकतरफा हेतु) को अंतिम डिस्क में जोड़ दिया जाता

है। कुछेक इकतरफा डिस्कों को भी अलंकरणों या अतिरिक्त लेयरों के साथ डमी की तरफ सबसे ऊपर लगा दिया जाता है जिससे उसकी सतह इंकजैट, थर्मल ट्रांसफर या रिट्रांसफर प्रिंटरों द्वारा लेवलिंग करने के लिए उपर्युक्त बन जाती है। बॉन्डिंग एक हॉट मेल्ट, यू वी कैशनिंग या प्री रेडिकल प्रोसेस के उपयोग से की जाती है।

- प्रिंटिंग: तत्पश्चात प्रिंटिंग की जाती है और डिजाइन का उपयोग स्क्रीन प्रिंटिंग पद्धति से किया जाता है।
- डीवीडी-आरडब्ल्यू तथा डीवीडी + आरडब्ल्यू की संरचना: डीवीडी-आरडब्ल्यू तथा डीवीडी + आरडब्ल्यू डिस्क पर सूचना को न केवल लिखने अपितु कई बार पुनः लिखने की संरचना डीवीडी-आर तथा डीवीडी+आर (रिकॉर्डेबल) की संरचना से अधिक जटिल होती है। रिकॉर्डेबल डिस्क के समान ही कोई रिराइटेबल डिस्क एकतरफा या दोतरफा हो सकती है। किसी रिराइटेबल डिस्क की रिकार्डिंग वाली तरफ में भी एक पॉलीकार्बोनेट प्लास्टिक की तह जो हल्की स्पाइरल ग्रूव से लगाई जाती है से लेकर डिस्क के अंदरूनी या बाहरी व्यास तक अनेक परतों का उपयोग किया जाता है।

7. तत्पश्चात डाई इलेक्ट्रिक पर्ट (जिंग सलफाइट तथा सिलीकॉन डाई ऑक्साइड) लगाई जाती है जिसके बाद फेज-चेंज अलॉय रिकॉर्डिंग परत (इंडियम, चांदी, टेलूरियम तथा एंटीमनी या जर्मेनियम, टेलूरियम तथा एंटीमनी में से कोई भी), एक अन्य डाई इलेक्ट्रिक पर्ट तथा धातु की एक चमकदार पर्ट (चांदी, सिल्वर अलॉय, एल्यूमिनियम) लगाई जाती है। डाई इलैक्ट्रिक पर्तों के ऊपर या नीचे अतिरिक्त पर्त (जर्मेनियम नाइट्राइट, सिलिकॉन कार्बाइट, सिलिकॉन डाई ऑक्साइड, सिलिकॉन नाइट्राइट, जिंक सलफाईट, एंटीमनी टेल्यूराइट तथा अन्य) भी लगाई जा सकती हैं।

8. डमी कर तरफ धातु की अतिरिक्त पर्त के साथ कई बार एक फ्लैट पॉलीकार्बोनेट प्लास्टिक की तरह लगा दी जाती है। तत्पश्चात एक आसंजक द्वारा दोनों तरफों को एक डिस्क में चिपका दिया जाता है।

9. यह उत्पाद आईटीसी (एचएस) तथा सीमाशुल्क वर्गीकरण संख्या 8523 के अंतर्गत वर्गीकृत है। संबद्ध उत्पाद का आयात निम्नलिखित उपशीर्षकों के साथ सीमाशुल्क वर्गीकरण के अध्याय 8523 के अंतर्गत किया जा रहा है:

85232920, 85232950, 85232970, 85234040, 85234050, 85234060; 8523480,
8523409, 85238090, 85235290, 85238050, 85239010, 85239040, 85239050
तथा 85239090.

तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

ग. समान वस्तु

10. आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देशों के मूल या वहाँ से निर्यातित वस्तु के "समान वस्तु" हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित रिकॉर्डेबल डिजिटल वर्सेटायल डिस्क (डीवीडी) भौतिक, रासायनिक विशेषताओं, कार्य एवं उपयोग के संबंध में तुलनीय, तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। अतः जांच के प्रयोजनार्थ आवेदक द्वारा उत्पादित रिकॉर्डेबल डिजिटल वर्सेटायल डिस्क (डीवीडी) तथा संबद्ध देशों से आयातित रिकॉर्डेबल डिजिटल वर्सेटायल डिस्क (डीवीडी) को पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर समान वस्तु माना जा रहा है।

घ. घरेलू उद्योग का आधार और जांच की शुरुआत

11. यह आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से टीपीएम कंसलटेंट्स, नई दिल्ली के जरिए मै. ऑफिटिकल डिस्क मैन्यूफैक्चरर वेलफेयर एस ओ द्वारा दायर किया गया है। उपलब्ध सूचना के अनुसार मै. मोजरबेयर इंडिया लि. जांच अवधि के दौरान समान वस्तु का एकमात्र उत्पादक है। अतः आवेदक के पास नियमावली के नियम 5(3)(क) के अंतर्गत घरेलू उद्योग की ओर से पाटनरोधी जांच हेतु मामला दायर करने का अपेक्षित आधार है और वह नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग है।

गोपनीयता

12. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध में उनके गोपनीयता के दावों की जांच की गई है। लागत, ग्राहक कीमत से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय माना गया है। निर्यातिक, रिटेक वियतनाम कंपनी लिमिटेड द्वारा गोपनीय रूप में प्रस्तुत आंकड़ों को प्रारंभिक जांच परिणामों में गोपनीय माना गया है लेकिन हितबद्ध पार्टियों से टिप्पणियां प्राप्त होने के बाद गोपनीयता के दावे की विस्तृत जांच की जाएगी।

ड. पाटन मार्जिन की गणना हेतु कार्य पद्धति

वियतनाम के निर्यातकों के बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार

13. जांच शुरुआत के चरण पर प्राधिकारी ने पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 (2) के अनुसार वियतनाम को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हुए कार्यवाही की थी। जांच की शुरुआत के बाद प्राधिकारी ने इस देश के उत्पादकों/निर्यातकों को यह सलाह दी कि वे जांच शुरुआत संबंधी सूचना का उत्तर दें और बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के निर्धारण हेतु संगत सूचना प्रदान करें।

14. प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में निर्धारित मानदंड के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन किया है। समस्त ज्ञात निर्यातकों को एमईटी प्रश्नावली की प्रतियां भेजीं। प्राधिकारी ने वियतनाम सरकार से यह भी अनुरोध किया कि वे अपने देश के उत्पादकों/निर्यातकों को सूचना उपलब्ध कराने की सलाह दें।

15. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने यह प्रस्ताव किया है कि वियतनाम को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाए और यह भी नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु आवेदक ने मलेशिया के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य को वियतनाम में सामान्य मूल्य माना है।

16. प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन करने के लिए वियतनाम की मै. रीटेक वियतनाम कंपनी लिमिटेड ने निर्धारित प्रपत्र में सूचना प्रस्तुत की। यह सूचना जांचाधीन है और बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की स्थिति सूचना के सत्यापन के बाद तय की जाएगी। प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर किया गया है।

सामान्य मूल्य

मै. रीटेक वियतनाम कंपनी लिमिटेड के लिए सामान्य मूल्य

17. निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की कोई घरेलू बिक्री नहीं हुई थी अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने धारा 9 क 1 (ग) (ii) (ख) के अनुसार निर्यातक की उत्पादन लागत पर भरोसा किया है। यह भी नोट किया गया है कि निर्यातक ने उत्पादन लागत के बारे में आंकड़े तीन बार प्रस्तुत किए हैं। परिशिष्ट 8 में उत्पादन लागत के आंकड़े पहली बार प्रस्तुत किए गए हैं जिन पर भरोसा किया गया है लेकिन कच्ची सामग्री के लिए लागत से संबंधित सूचना को बाद में प्रस्तुत परिशिष्ट 5 व 6 से ली गई सूचना की प्रति जांच द्वारा समायोजित किया गया है। सामान्य मूल्य की गणना हेतु उत्पादन लागत में 5% की दर से लाभ जोड़ा गया है। इस कार्यपद्धति द्वारा बीओएस पैकिंग के लिए सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण *** अम.डॉ. प्रति हजार नग के रूप में किया गया है।

वियतनाम के असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

18. असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य वही लिया गया है जैसा कि मै. रीटेक वियतनाम कंपनी लिमिटेड के लिए निर्धारित किया गया है।

मलेशिया के असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

19. मलेशिया के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी सूचना का उत्तर नहीं दिया है और सामान्य मूल्य के बारे में सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। निर्यातकों की ओर से सहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य परिकलित किया है। पॉलीकार्बोनेट जो एक प्रमुख कच्ची सामग्री है, की कीमत घरेलू उद्योग की लागत के रूप में ली गई है। (वर्ल्ड ट्रेड एटलस के अनुसार मलेशिया को आयातों के लिए पॉलीकार्बोनेट की कीमतें घरेलू उद्योग की कीमतों से काफी अधिक हैं)। अन्य कच्ची सामग्री

की कीमतों, कच्ची सामग्रियों की पद्धति, उपयोगिताओं और परिवर्तन लागत को उसी रूप में लिया गया है जैसा कि भारत में घरेलू उद्योग की हैं। इसमें वित्तीय लागत और 5% की दर से लाभ जोड़ा गया है ताकि सामान्य मूल्य का परिकलन किया जा सके। इस कार्य पद्धति द्वारा मलेशिया के लिए सामान्य मूल्य निम्नानुसार निर्धारित किया गया है।

मूल्य अम.डॉ. प्रति 000 नगों में

सामान्य मूल्य	फ्रेक बॉक्स	बो ओ एस
डीवीडी-आर	***	***
डीवीडी -आरडब्ल्यू	कोई आयात नहीं	कोई आयात नहीं

थाइलैंड के असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

20. थाइलैंड के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरूआत संबंधी सूचना का उत्तर नहीं दिया है और सामान्य मूल्य के बारे में सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। निर्यातकों की ओर से सहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य परिकलित किया है। पॉलीकार्बोनेट जो एक प्रमुख कच्ची सामग्री है, की कीमत घरेलू उद्योग की लागत के रूप में ली गई है। (वर्ल्ड ट्रेड एटलस के अनुसार मलेशिया को आयातों के लिए पॉलीकार्बोनेट की कीमतें घरेलू उद्योग की कीमतों से काफी अधिक हैं)। अन्य कच्ची सामग्री की कीमतों, कच्ची सामग्रियों की पद्धति, उपयोगिताओं और परिवर्तन लागत को उसी रूप में लिया गया है जैसा कि भारत में घरेलू उद्योग की हैं। इसमें वित्तीय लागत और 5% की दर से लाभ जोड़ा गया है ताकि सामान्य मूल्य का परिकलन किया जा सके। इस कार्य पद्धति द्वारा मलेशिया के लिए सामान्य मूल्य निम्नानुसार निर्धारित किया गया है।

मूल्य अम.डॉ. प्रति 000 नगों में

सामान्य मूल्य	फ्रेक बॉक्स	बो ओ एस
डीवीडी-आर	***	***
डीवीडी -आरडब्ल्यू	कोई आयात नहीं	कोई आयात नहीं

च.2 निर्यात कीमत

वियतनाम

रिटेक वियतनाम कंपनी लिमिटेड के लिए निर्यात कीमत

21. वियतनाम की मै.रिटेक वियतनाम कंपनी लिमिटेड ने सहयोग किया है और भारत को हुए निर्यातों के सौदेवार ब्लौरे उपलब्ध कराए हैं। प्रारंभिक जांच परिणामों में निर्यातक द्वारा प्रदत्त निर्यात के समस्त सौदों पर विचार किया गया है। निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के

लिए समुद्री भाड़े, अंतरदेशीय भाड़े, पैकिंग व्यय एवं हैंडलिंग प्रभारों के लिए परिशिष्ट 2 और 3 में दर्शाए गए व्यय पर भरोसा किया गया है और सत्यापन के अधीन उन्हें समायोजित किया गया है। इस कार्य पद्धति द्वारा कारखाना स्तर पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण किए गए दावे के अनुसार बीओएस पैकिंग हेतु *** अम.डॉ. प्रति हजार नग के रूप में किया गया है।

वियतनाम के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

22. वियतनाम के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण न्यूनतम कीमत पर किए गए निर्यात सौदों के आधार पर किया गया है जिनमें प्रतिवादी निर्यातक के कुल निर्यातों की उचित वाणिज्यिक मात्रा शामिल है। निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए सहयोगी निर्यातक द्वारा प्रकटित समुद्री भाड़े, अंतरदेशीय भाड़े और हैंडलिंग प्रभारों के लिए किए गए व्यय को समायोजित किया गया है। इस कार्यपद्धति द्वारा कारखाना स्तर पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण बीओएस पैकिंग हेतु *** अम.डॉ. प्रति हजार नग के रूप में किया गया है। (वियतनाम से हुए आयातों में केवल बीओएस पैकिंग शामिल है)।

मलेशिया के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

23. चूंकि मलेशिया के किसी भी निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है इसलिए निर्यात कीमत का निर्धारण नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने इम्पैक्स स्टेटिक्स से प्राप्त सौदेवार आयात के आंकड़ों पर भरोसा किया है। यह देखा गया है कि डीवीडी आर का आयात अलग-अलग पैकेजों में किया गया है। भारित औसत निर्यात कीमत का निर्धारण संगत पैकिंग के आंकड़ों को अलग कर अलग-अलग पैकिंग के लिए पृथक रूप में किया गया है।

24. कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़े हेतु व्यय, 0.10% की दर से समुद्री बीमा, पत्तन व्यय और अंतरदेशीय भाड़े को समायोजित किया गया है। समुद्री भाड़े, पत्तन व्यय और अंतरदेशीय भाड़े के लिए वियतनाम के सहयोगी निर्यातक द्वारा प्रदत्त सूचना पर भरोसा किया गया है। इस कार्य पद्धति द्वारा कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

मूल्य अम.डॉ. प्रति 000 नगों में

कारखाना निर्यात कीमत	क्रेक बॉक्स	बी ओ एस
डीवीडी-आर	***	***

थाइलैंड के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

25. चूंकि थाइलैंड के किसी भी निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है इसलिए निर्यात कीमत का निर्धारण नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने इम्पैक्स स्टेटिक्स से प्राप्त सौदेवार आयात के आंकड़ों पर भरोसा किया है। यह देखा गया है कि डीवीडी आर का आयात मुख्यतः बीओएस पैकेजों में किया गया है। (क्रेक बॉक्स में हुए आयातों में मामूली कीमत पर अति अल्प मात्रा शामिल है अतः उसकी अनदेखी की गई है)

26. कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़े हेतु व्यय, 0.10% की दर से समुद्री बीमा, पत्तन व्यय और अंतरदेशीय भाड़े को समायोजित किया गया है। समुद्री भाड़े, पत्तन व्यय और अंतरदेशीय भाड़े के लिए थाइलैंड के सहयोगी निर्यातक द्वारा प्रदत्त सूचना पर भरोसा किया गया है। इस कार्य पद्धति द्वारा कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण बीओएस पैकिंग के लिए *** अम.डॉ. प्रति हजार नगों के लिए किया गया है।

ड.3 पाटन मार्जिन

27. इस आशय का पर्याप्त साक्ष्य है कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

28. ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के आधार पर पाटन मार्जिनों का निर्धारण निम्नलिखित तालिका के अनुसार किया गया है :-

वियतनाम

मूल्य अम.डॉ. प्रति 000 नगों में

	रिटेक	असहयोगी निर्यातक
सामान्य मूल्य	***	***
निर्यात कीमत	***	***
पाटन मार्जिन	31.91	49.25
पाटन मार्जिन (%)	32.99	62.04

मलेशिया

मूल्य अम.डॉ. प्रति 000 नगों में

	डीवीडी आर	भारित औसत
	बीओएस क्रेक बॉक्स	
सामान्य मूल्य	***	***
निर्यात कीमत	***	***
पाटन मार्जिन	37.53 (21.79)	35.92
पाटन मार्जिन (%)	36.14 (13.18)	34.05

थाइलैंड

मूल्य अम.डॉ. प्रति 000 नगों में

	डीवीडी आर
	बीओएस
सामान्य मूल्य	***
निर्यात कीमत	***
पाटन मार्जिन	25.98

पाटन मार्जिन (%)	22.51
------------------	-------

29. इस प्रकार अनंतिम रूप से निर्धारित पाटन मार्जिन पर्याप्त और न्यूनतम सीमा से अधिक है।

च. क्षति निर्धारण हेतु कार्य पद्धति और कारणात्मक संबंध की जांच

च. 1 क्षति निर्धारण

30. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से हुए समूचे आयातों को पाटित आयात माना गया है।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

31. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं:

- (क) विचाराधीन उत्पाद के आयातों में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है।
- (ख) प्रस्तावित जांच अवधि के भीतर भी प्रति माह औसत आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है।
- (ग) आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही है। परिणामतः आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का ह्रास हो रहा है।
- (घ) यद्यपि इस अवधि में क्षमता, उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हुई है, तथापि, इन मापदंडों में वृद्धि उत्पाद के संबंध में पूर्व में प्रत्याशित मांग में पर्याप्त वृद्धि के परिणामस्वरूप हुई है। तथापि, घरेलू उद्योग ने बाजार हिस्सा गंवाया है।
- (ङ) आयातों के कारण उत्पन्न हुए अत्यधिक कीमत दबाव की वजह से इस अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में अत्यधिक गिरावट आई है।
- (च) इस अवधि में निवेश पर आय और नकद प्रवाह में भी अत्यधिक गिरावट आई है। घरेलू उद्योग को नकारात्मक आय का सामना करना पड़ा है।
- (छ) घरेलू उद्योग के पास मालसूचियों में भारी वृद्धि हुई है।
- (ज) इस बात पर विचार करते हुए कि बिक्री कीमत में कमी का एकमात्र कारण आयात कीमतों में गिरावट है, घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों की वजह से हो रही है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

32. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त विचारों को नोट किया है और अनंतिम क्षति निर्धारण एवं कारणात्मक संबंध के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ इन जांच परिणामों में अनिवार्य कारकों की जांच की है।

च.2 क्षति का संचयी निर्धारण

33. नियमावली के अनुबंध II (iii) के अनुसार यदि एक से अधिक देश से हुए किसी उत्पाद के आयात की एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो प्राधिकारी के लिए केवल उस स्थिति में ऐसे आयातों के संचयी प्रभाव का निर्धारण अपेक्षित होता है जब वह यह निर्धारित करे कि :-

- (क) अलग-अलग देशों से हुए आयात न्यूनतम सीमा से अधिक हैं;
- (ख) प्रत्येक देश के संबंध में पाटन मार्जिन निर्यात 2% से अधिक है ;और
- (ग) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है ।

34. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय बाजार में पाटित आयात संबद्ध देशों सहित कई देशों से एक साथ प्रवेश कर रहे हैं । अतः इन स्रोतों से हुए पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संचयी निर्धारण के मुद्दे की जांच उपर्युक्त मापदंडों के संबंध में की गई है और यह देखा गया था कि :

- i) संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से अलग-अलग उत्पादों के पाटन का मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- ii) संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से अलग-अलग उत्पादों के आयात की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- iii) संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही है;

35. उपर्युक्त के महेनजर प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति का संचयी निर्धारण इस मामले में उचित है कि संबद्ध देशों से अलग-अलग उत्पादों के निर्यात आपस में और भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान वस्तु के साथ प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं ।

च.3 क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच

36. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति निर्धारण में "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तु के घरेलू बाजार में कीमतों पर उसके प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित समस्त संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए....." ऐसे समस्त कारकों की जांच शामिल होगी, जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जांच आवश्यक समझी जाती है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा पर्याप्त स्तर तक गिरावट आई है अथवा होने वाली उस कीमत वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।

37. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन मात्रा और मार्जिन आदि जैसे संकेतकों पर उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार विचार किया गया है।

38. ऊपर उल्लिखित घरेलू उद्योग पर प्रभाव डालने वाले उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा आदि जैसे समस्त आर्थिक मानदंडों की निम्नानुसार जांच की गई है।

च.4 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव : आयात की मात्रा और बाजार हिस्सा

क) आयात की मात्रा

39. डीवीडी का विशिष्ट रूप से आयात सी.शु. टैरिफ शीर्ष 8523.40.80 के अंतर्गत किया जाता है। इम्पैक्स स्टेटिक्स के आयात के सौदेवार आंकड़ों से यह पता चलता है कि आयात अलग-अलग सीमाशुल्क टैरिफ शीर्षों के अंतर्गत किए गए हैं। विश्लेषण हेतु इम्पैक्स स्टेटिक्स के आंकड़ों पर भरोसा किया गया है।

40. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

41. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने इम्पैक्स स्टेटिक्स से प्राप्त सौदेवार आयात के आंकड़ों पर भरोसा किया है। आंकड़ों से यह देखा गया है कि डीवीडी आर के आयातों में भारी आयात शामिल हैं। यह भी देखा गया है कि आयात विभिन्न पैकिंग अर्थात् केक बॉक्स तथा बीओएस में किए गए थे। तथापि, मुख्य आयात बीओएस पैक में हुए थे।

42. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है:-

आयात की मात्रा और संबद्ध देश का हिस्सा

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
आयात मात्रा					
वियतनाम	'000 नग में	-	-	1,000	57,560
मलेशिया	'000 नग में	5	57	7,196	14,249
थाइलैंड	'000 नग में	41	104	552	8,088
संबद्ध देश	'000 नग में	46	161	8,748	79,897
वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू हैं	'000 नग में	13,246	20,574	71,474	24,565
अन्य देश	'000 नग में	1,624	2,475	3,740	10,654
कुल आयात	'000 नग में	14,915	23,210	83,962	115,117

आयातों में बाजार हिस्सा						
मूल्य आधार पर						
संबद्ध देश	%	0.31	0.69	10.42	69.41	
वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू हैं	%	88.80	88.65	85.13	21.34	
अन्य देश	%	10.89	10.66	4.45	9.26	
उत्पादन की तुलना में संबद्ध देशों से आयात	%	0.005	0.01	0.57	4.97	
खपत की तुलना में संबद्ध देशों से आयात	%	0.12	0.17	3.21	16.80	

43. आंकड़ों से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से हुए आयात वर्ष 2005-06 में 0.46 लाख नग से बढ़कर जांच अवधि में 799 लाख नग हो गए हैं जिनमें आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान हुए आयातों में 1737 गुने की तीव्र वृद्धि प्रदर्शित होती है। तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में आयातों में 9 गुना वृद्धि हुई है। यह भी देखा गया है कि डीवीडी का आयात अलग-अलग डिब्बा बंद रूपों में किया गया है। तथापि, मुख्य आयात बल्कि पैकेज में हुए थे, जिनका हिस्सा कुल आयातों का 99.49% बनता है। अन्य पैकेज के क बॉक्स में थे। यह देखा गया है कि आयातों में समग्र रूप में उत्पादन तथा खपत की तुलना में वृद्धि हुई है।

ख) मांग, उत्पादन तथा बाजार हिस्सा

i) मांग में वृद्धि

मांग	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
घरेलू उद्योग की बिक्री-घरेलू बिक्री	'000 नग में	21,270	71,055	188,727	360,375
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	'000 नग में	1,917	1,845	-	-
संबद्ध देश-आयात					
विधतनाम	'000 नग में	-	-	1,000	57,560
मलेशिया	'000 नग में	5	57	7,196	14,249
थाइलैंड	'000 नग में	41	104	552	8,088
संबद्ध देश-आयात	'000 नग में	46	161	8,748	79,897
वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू हैं-आयात	'000 नग में	13,246	20,574	71,474	24,565
अन्य देश-आयात	'000 नग में	1,624	2,475	3,740	10,654
कुल मांग/खपत	'000 नग में	38,103	96,110	272,689	475,492

44. संबद्ध वस्तु की मांग का निर्धारण भारतीय उद्योग की घरेलू बिक्री और समस्त देशों से हुए आयातों को जोड़कर किया गया है। आंकड़ों से यह पता चलता है कि संबद्ध वस्तु की मांग में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक वृद्धि होती रही है। आंकड़ों से यह पता चलता

है कि मांग में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में 12 गुना और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में 74% की वृद्धि हुई है।

ii) घरेलू उद्योग का उत्पादन

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
क्षमता उपयोग					
क्षमता	लाख नग	9,885	13,791	15,432	16,087
उत्पादन	लाख नग	6,435	9,344	11,101	12,171
क्षमता उपयोग	%	65.10	67.75	71.94	75.66

45. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता प्रति वर्ष बढ़ती रही है। इसी प्रकार उत्पादन में भी अच्छी वृद्धि हुई है। जांच अवधि में उत्पादन में आधार वर्ष की तुलना में 89% और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में 10% की वृद्धि हुई है। आगे यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग की पर्याप्त निर्यात बिक्रियां हुई हैं जिनमें आधार वर्ष की तुलना में 49% की वृद्धि हुई है। तथापि, तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में इनमें मामूली गिरावट (लगभग 5%) आई है। प्राधिकारी ने यह पाया है कि क्षमता और उत्पादन में वृद्धि निर्यातों और घरेलू बिक्रियों के कारण हुई थी। तथापि, घरेलू उद्योग के पास अत्यधिक निष्क्रिय क्षमता बची हुई है।

iii) घरेलू उद्योग की बिक्री

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
घरेलू बिक्री	लाख नग	213	711	1,887	3,604
निर्यात बिक्री	लाख नग	5,613	7,778	8,847	8,368

46. बिक्री संबंधी आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग ने वर्ष 2005-06 के दौरान संबद्ध वर्ष के 213 लाख नगों की बिक्री की और यह जांच अवधि में बढ़कर 3,604 लाख नग हो गई। घरेलू उद्योग की बिक्री ने समूची क्षति अवधि के दौरान वृद्धि होती रही है।

iv) मांग एवं बाजार हिस्सा :

47. आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक घरेलू उत्पाद की मांग और बाजार हिस्सा दोनों में लगातार वृद्धि होती रही है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री	'000 नग में	21,270	71,055	188,727	360,375
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	'000 नग में	1,917	1,845	-	-
संबद्ध देश-आयात					
विषयतनाम	'000 नग में	-	-	1,000	57,560

मलेशिया	'000 नग में	5	57	7,196	14,249
थाइलैंड	'000 नग में	41	104	552	8,088
संबद्ध देश-आयात	'000 नग में	46	161	8,748	79,897
वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है - आयात	'000 नग में	13,246	20,574	71,474	24,565
अन्य देश-आयात	'000 नग में	1,624	2,475	3,740	10,654
कुल मांग/खपत	'000 नग में	38,103	96,110	272,689	475,492
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	55.82	73.93	69.21	75.79
अन्य भारतीय उतदकों की बिक्री	%	5.03	1.92	-	-
संबद्ध देश-आयात					
वियतनाम	%	-	-		12.11
				0.37	
मलेशिया	%	0.01	0.06	2.64	3.00
थाइलैंड	%	0.11	0.11	0.20	1.70
संबद्ध देश-आयात	%	0.12	0.17	3.21	16.80
वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है - आयात	%	34.76	21.41	26.21	5.17
अन्य देश-आयात	%	4.26	2.57	1.37	2.24

48. घरेलू उद्योग में संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। आधार वर्ष में 381 लाख नग की मांग जांच अवधि में बढ़कर 4755 लाख नग हो गई। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में मांग में 12 गुने (1248%) और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में 74% की वृद्धि हुई है। आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 55.82% से बढ़कर 75.79% हो गया और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में बाजार हिस्सा 79.21% से बढ़कर 75.79% हो गया। आधार वर्ष से संबद्ध देशों का हिस्सा 0.12% से बढ़कर 16.80% हो गया और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में यह 3.21% से बढ़कर 16.80% हो गया। आगे यह नोट किया गया है कि जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू था उनका हिस्सा वर्ष 2007-08 में 26.21% से अत्यधिक घटकर जांच अवधि में 5.17% हो गया।

(ग) संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर कीमत संबंधी प्रभाव

(i) क्षति विश्लेषण अवधि की तुलना में निर्यात कीमत का मूल्यांकन

निर्यात कीमत	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
वियतनाम	रु./नग			3.27	4.72
मलेशिया	रु./नग	6.20	5.17	4.14	4.92
थाईलैंड	रु./नग	22.31	11.12	4.57	5.42
संबद्ध देश	रु./नग	20.56	9.01	4.07	4.82
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	44	20	23

49. निर्यात कीमत से संबंधित आंकड़ों से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से कीमतों में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक गिरावट आई है। आंकड़ों से यह देखा गया है कि कीमतों में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक भारी गिरावट आई है। तथापि, तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में संबद्ध देशों के लिए कीमतों में लगभग 76 पैसे अर्थात् लगभग 18% की वृद्धि हुई है। अलग-अलग संबद्ध देशों के लिए भी कीमत में तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष से लेकर जांच अवधि तक वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया गया है कि प्रमुख कच्ची सामग्री अर्थात् पोलीकार्बोनेट की कीमत घरेलू उद्योग के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2007-08 और जांच अवधि में एक समान रही है (संबद्ध देशों को आयातों के लिए वर्ल्ड ट्रेड एटलस के अनुसार पोलीकार्बोनेट की कीमतें सामान्यतः अधिक रही थीं अतः कोई सार्थक तुलना नहीं की जा सकी)।

(ii) कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री के प्रभाव
मलेशिया के लिए कीमत कटौती की गणना

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
आयात मात्रा	मात्रा(000)	5	57	7196	14249
निर्धारणीय मूल्य	रु./नग.	6.26	5.22	4.18	4.97
उत्तराई प्रभार 1%	रु./नग.	0.06	0.05	0.04	0.05
सीआईएफ निर्यात कीमत	रु./नग.	6.20	5.17	4.14	4.92
सी. शु. (दर)	%	0%	0%	0%	0%
सी. शु.	रु./नग.	-	-	-	-
आयातों की पहुंच कीमत	रु./नग.	6.20	5.17	4.14	4.92
निवल बिक्री प्राप्ति	सूचीबद्ध	100	90	75	70
कीमत कटौती	सूचीबद्ध	100	112	99	39
कीमत कटौती (%)	% रेज	20 to 30	25 to 35	25 to 35	10 to 20

थाईलैंड के लिए कीमत कटौती की गणना

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
आयात मात्रा	मात्रा(000)	41	104	552	8,088
निर्धारणीय मूल्य	रु./नग	22.54	11.23	4.62	5.47
उत्तराई प्रभार 1%	रु./नग	0.23	0.11	0.05	0.05

सीआईएफ निर्यात कीमत	रु./नग	22.31	11.12	4.57	5.42
सी. शु. (दर)	%	0%	0%	0%	0%
सी. शु.	रु./नग	-	-	-	-
आयातों की पहुंच कीमत	रु./नग	22.31	11.12	4.57	5.42
निवल बिक्री प्राप्ति	सूचीबद्ध	100	90	75	70
कीमत कटौती	सूचीबद्ध	-100	-27	11	2
कीमत कटौती (%)	% रेंज	(-)170 to 175	(-)45 to 55	20 to 30	1 to 10

वियतनाम के लिए कीमत कटौती की गणना

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
आयात मात्रा	मात्रा(000)	~ - -	~ - -	1,000	57,560
निर्धारणीय मूल्य	रु./नग			3.30	4.76
उत्तराई प्रभार 1%	रु./नग			0.03	0.05
सीआईएफ निर्यात कीमत	रु./नग			3.27	4.72
सी. शु. (दर)	%			0%	0%
सी. शु.	रु./नग			-	-
आयातों की पहुंच कीमत	रु./नग			3.27	4.72
निवल बिक्री प्राप्ति	सूचीबद्ध			100	93
कीमत कटौती	सूचीबद्ध			100	34
कीमत कटौती (%)	% रेंज			40 to 50	10 to 20

संबद्ध देशों के लिए कीमत कटौती की गणना

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
आयात मात्रा	मात्रा(000)	46	161	8,748	79,897
निर्धारणीय मूल्य	रु./नग	20.77	9.11	4.11	4.87
उत्तराई प्रभार 1%	रु./नग	0.21	0.09	0.04	0.05
सीआईएफ निर्यात कीमत	रु./नग	20.56	9.01	4.07	4.82
सी. शु. (दर)	%	0%	0%	0%	0%
सी. शु.	रु./नग	-	-	-	-
आयातों की पहुंच कीमत	रु./नग	20.56	9.01	4.07	4.82
निवल बिक्री प्राप्ति	सूचीबद्ध	100	90	75	70
कीमत कटौती	सूचीबद्ध	-100	-13	16	7
कीमत कटौती (%)	% रेंज	(-)150 To 155	(-) 20 to 30	30 to 40	10 to 20

50. इसके अलावा, जांच अधिक के लिए संबद्ध देशों के लिए विचाराधीन उत्पाद की पैकेजवार जांच की गई थी। निम्नलिखित तालिका से यह पता चलता है कि कीमत में सकारात्मक कटौती हुई है।

		डीवीडी-आर
		बी.ओ.एस
आयात मात्रा	मात्रा(000)	79,487
निर्धारणीय मूल्य	रु./लाख	3,858.71

निर्धारणीय मूल्य	रु./नग	4.85	8.43
उत्तराई प्रभार 1%	रु./नग	0.05	0.08
सीआईएफ निर्यात कीमत	रु./नग	4.81	8.34
सी. शु. (दर)	%	0%	0%
सी. शु.	रु./नग	-	-
आयातों के पहुंच कीमत	रु./नग	4.81	8.34
निवल बिक्री प्राप्ति	सूचीबद्ध	100	130
कीमत कटौती	सूचीबद्ध	100	(539)
कीमत कटौती (%)	% रेज	1 to 10	(-) 20 to 30

51. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योगों की कीमत पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एन एस आर) तथा क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से हुए आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है।

52. घरेलू उद्योग की भारित निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करने में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित रिबेट, छूट और कमीशन और संदत्त के. उ. शु. पर रिबेट प्रदान की गई है।

53. कीमत कटौती का निर्धारण समूची क्षति अवधि के दौरा संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के भारित औसत पहुंच मूल्य की तुलना उसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति के साथ करने के बाद किया गया है। इस प्रयोजनार्थ आयातों को डिब्बा बंद रूप और खुले रूप में अलग-अलग किया गया है। आयातों के पहुंच मूल्य की गणना 1% हैडलिंग प्रभार (विचाराधीन उत्पादन के लिए मूल सीमाशुल्क शून्य है) को संबद्ध देशों से आयातों की कीमत के आयात आंकड़ों में सूचित मूल्य में जोड़कर (संगत वर्षों के लिए) की गई है। जांच अवधि के दौरा संबद्ध देशों से भारित औसत कटौती 10-20% के बीच रही थी।

54. कम कीमत पर बिक्री के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से हुए आयातों के भारित औसत पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत के साथ की गई है। भारित औसत कम कीमत पर बिक्री बीओएस के संबंध में 55-75% के बीच और केक बॉक्स के संबंध में 15-25% के बीच रही थी।

(iii) पाटित आयातों का कीमत हासकारी और न्यूनकारी प्रभाव:

55. यह नोट किया गया है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में 30% की गिरावट आई है। तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में कीमत में 7% पैसे की गिरावट आई है जिससे यह पता चलता है कि कीमत का हास हुआ है। पाटित आयातों के कीमत हासकारी प्रभाव की जांच भी घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और निवल बिक्री प्राप्ति के संदर्भ में की गई है। यह नोट किया गया है कि तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में बिक्री लागत में 65 पैसे की गिरावट आई है जबकि इसी अवधि में बिक्री कीमत

में 40 पैसे की गिरावट आई है जिससे यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को कीमत कम करनी पड़ी थी लेकिन कीमत में यह गिरावट बिक्री लागत में आई गिरावट से कम थी, जिसकी वजह से घरेलू उद्योग घरेलू बिक्री में होने वाले घाटे को कम कर सका ।

च.5 क्षति के अन्य मापदंडों की जांच

56. पूर्ववर्ती भाग में घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमत पर प्रभाव और आयातों की मात्रा एवं मूल्य, क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और घरेलू उद्योग की बिक्री के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में बाजार हिस्सों के साथ मांग की पद्धति जैसे क्षति के संकेतकों का जांच करने के बाद ऐसे अन्य आर्थिक मापदंडों की जांच निम्नानुसार की गई है जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मौजूदगी का पता चल सकता है ।

लाभ एवं नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
बिक्री (एन एस आर)	सूचीबद्ध	100	90	75	70
बनाने और बेचने की लागत	सूचीबद्ध	100	77	87	80
कर पूर्व लाभ	सूचीबद्ध	(100)	(142)	(212)	(180)
ब्याज पूर्व लाभ	सूचीबद्ध	(100)	(763)	(3469)	(5091)
कर पूर्व कुल लाभ	सूचीबद्ध	(100)	(476)	(1871)	(3027)
नकद लाभ	सूचीबद्ध	100	139	(178)	(224)

57. आंकड़ों से पता चलता है कि क्षति अवधि की तुलना में घरेलू उद्योग की बिक्री लागत में पर्याप्त गिरावट आई है । वर्ष 2005-06 से जांच अवधि तक परिवर्तन लागत एवं पोलीकार्बोनेट, से इतर कच्ची सामग्री की लागत में गिरावट के कारण बनाने और बेचने की लागत में ₹ 68 रुपए/नग की गिरावट आई । इसी अवधि के दौरान बिक्री कीमत में 2.47 रुपए/नग की गिरावट आई जिससे बिक्री लागत की तुलना में बिक्री कीमत में अननुपातिक कमी का पता चलता है । तथापि, तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में बिक्री कीमत गिरावट की तुलना में बिक्री लागत में अधिक गिरावट के कारण प्रति इकाई घाटे में कमी आई है । प्रति इकाई घाटा (सूचीबद्ध) आधार वर्ष में - 100 से बढ़कर जांच अवधि में -179 हो गया और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में घाटा -211 से घटकर -179 हो गया । इसी प्रकार आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में ब्याज एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआईटी) (सूचीबद्ध) -100 से बढ़कर -5090 हो गया । समूची क्षति अवधि के दौरान कर पूर्व लाभ में लगातार गिरावट आई । जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हुए घाटे में कई गुना वृद्धि हुई है । जांच अवधि और पूर्ववर्ती वर्ष 2007-08 दोनों के दौरान घरेलू उद्योग को नकारात्मक नकद लाभ हुआ है और जांच अवधि के दौरान नकद घाटे में वृद्धि हुई है ।

लगाई गई पूंजी पर आय

लगाई गई पूंजी परआय

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
निवल स्थायी परिसंपत्ति	सूचीबद्ध	100	255	564	906
कार्यशील पूंजी	सूचीबद्ध	100	231	854	1116
कुल नियोजित पूंजी एनएफए आधारपर)	सूचीबद्ध	100	249	629	953
लगाई गई पूंजी पर आय- एनएफए	सूचीबद्ध	(100)	(306)	(552)	(712)

58. लगाई गई पूंजी पर आय से संबंधित उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि क्षति अवधि में आय में तेजी से गिरावट आई है।

रोजगार एवं मजदूरी

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
रोजगार	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	92	90
मजदूरी	लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	161	233	236

59. घरेलू उद्योग की विनिर्माण सुविधा में संबद्ध वस्तु और इस जांच में असमिलित दोनों शामिल हैं। कर्मचारियों की संख्या को समग्र संयंत्र के लिए लिया गया है। उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या में 9.69% की गिरावट आई है। तथापि, मजदूरी आधार वर्ष में 100 (सूचीबद्ध) से बढ़कर जांच अवधि में 236 हो गई और प्रति कर्मचारी मजदूरी आधार वर्ष में 100 से बढ़कर जांच अवधि में 262 हो गई।

उत्पादकता

60. प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में आकलित प्रति कर्मचारी उत्पादकता में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक पर्याप्त सुधार हुआ है। यह आधार वर्ष में 100 (सूचीबद्ध) से बढ़कर जांच अवधि में 209 हो गई है।

मालसूची

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
प्रारंभिक	लाख नग	646	1,195	2,005	2,314
अंतिम	लाख नग	1,195	2,005	2,314	2,503
औसत	लाख नग	920	1,600	2,160	2,408
बिक्री दिवसों की संख्या के रूप में स्टॉक	दिवस	58	69	73	73

61. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि इन वर्षों में औसत मालसूची में अत्यधिक वृद्धि हुई है। बिक्री दिवसों के रूप में आकलित मालसूची में भी आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक वृद्धि हुई है। यद्यपि तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में कोई परिवर्तन नहीं हुआ था। तथापि, मालसूची इस मासले में क्षति विश्लेषण का सही संकेतक नहीं है क्योंकि संगणित मालसूची में भांडागारों में पड़ी हुई मालसूची शामिल है, यद्यपि इसे निर्यात प्रयोजन हेतु इंगित किया जा चुका है।

वृद्धि

62. आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक मांग में वृद्धि में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। उत्पादन एवं बिक्री में वृद्धि सकारात्मक रही थी। तथापि, लागत एवं बिक्री कीमत, लाभप्रदता और निवेश पर आय में नकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है।

पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में वृद्धि		2006-07	2007-08	2008-09
उत्पादन	%	45.22	18.80	46.19
घरेलू बिक्री मात्रा	%	234.06	65.61	154.60
घरेलू बिक्री कीमत	%	(9.81)	(17.23)	(6.59)
घरेलू बिक्री लागत	%	(4.97)	(8.15)	(8.54)
औसत स्टॉक	%	73.86	34.95	11.53
लगाई गई पूंजी पर आय (एनएफए आधार पर)	%	(2.66)	(3.16)	(2.07)

निवेश

63. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु और अन्य वस्तु के लिए क्षमता को बढ़ाने हेतु नई पूंजी जुटाई थी।

पाटन की मात्रा

64. पाटित आयातों की मात्रा के एक संकेतक के रूप में पाटन की मात्रा से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है जिससे यह पता चलता है कि जांच अवधि के लिए संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन अत्यधिक है ।

कीमत को प्रभावित करने वाले कारक

65. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान बिक्री लागतों में गिरावट आई । वर्ष 2005-06 से जांच अवधि तक बनाने और बेचने की लागत में 1.68 रुपए/नग की गिरावट आई । तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में बनाने और बेचने की लागत में 65 पैसा प्रति नग की गिरावट आई । संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य में यद्यपि, आधार वर्ष से जांच अवधि तक गिरावट आई तथापि, तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में इसमें 75 पैसे की वृद्धि हुई । आगे यह नोट किया गया है कि यद्यपि तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में संबद्ध देशों में पहुंच मूल्य में वृद्धि हुई, तथापि संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में भारी कटौती हुई है । यह भी देखा गया है कि इससे पूर्व घरेलू उद्योग ऐसे अन्य देशों से कीमत कटौती का सामना कर रहा था जिन पर अब 23.7.2008 को पाटनरोधी शुल्क लागू कर दिया गया है । बहरहाल घरेलू उद्योग को काफी कम कीमत पर बिक्री करनी पड़ी है ।

च.6 क्षति संबंधी मापदंडों के बारे में निष्कर्ष

66. घरेलू उद्योग की क्षमता और उत्पादन में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक लगातार सुधार हुआ है । इस संबंध में यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग न केवल घरेलू बाजार में मांग की पूर्ति कर रहा है अपितु निर्यात बाजार की मांग की भी पूर्ति कर रहा है । वस्तुतः जांच अवधि में घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कुल बिक्री की 30% रही है । घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में भी आधार वर्ष से जांच अवधि तक सुधार हुआ है । घरेलू बाजार में उत्पाद कीमांग में सतत वृद्धि प्रदर्शित हुई है और घरेलू उद्योग ने घरेलू बाजार में अपना हिस्सा आधार वर्ष में 56% और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष में 69% से बढ़ाकर जांच अवधि में 76% कर लिया है जिससे यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग बाजार हिस्से को प्राप्त करने में सफल रहा है और उसने मांग में वृद्धि का फायदा उठाया है । तथापि, घरेलू उद्योग के पास अभी भी निष्क्रिय क्षमता पड़ी हुई है ।

67. उत्पाद की बिक्री लागत में यद्यपि आधार वर्ष से जांच अवधि तक पर्याप्त गिरावट आई है तथापि, बिक्री लागत में भी गिरावट आई है । बिक्री कीमत में तुलनात्मक गिरावट बिक्री लागत में तदनुरूपी गिरावट की तुलना में अधिक रही है । जांच अवधि में घरेलू उद्योग को घरेलू बिक्री में घाटा हो रहा था और यह घाटा क्षति अवधि में जारी रहा । तथापि, तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में प्रति इकाई घाटे में कमी आई । आधार वर्ष से जांच अवधि तक घाटे (पीबीआईटी) में वृद्धि हुई । आधार वर्ष के दौरान सकारात्मक नकद लाभ की स्थिति

से घरेलू उद्योग वर्ष 2007-08 और 2008-09 (जांच अवधि) दोनों वर्षों के दौरान नकारात्मक नकद लाभ की स्थिति में पहुंच गया ।

68. उपर्युक्त आर्थिक संकेतकों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग ने मांग में वृद्धि का लाभ उठाया है तथापि उसे घरेलू बिक्री में घाटा होता रहा जिसके परिणामस्वरूप उसे क्षति हुई ।

च.7 अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध

69. प्राधिकारी ने अन्य कारकों से हुई किसी क्षति का विश्लेषण करने के लिए नियमों में यथानिर्धारित अन्य कारणेतर कारकों की भी जांच की है । इस संबंध में नियमों में यथानिर्धारित निम्नलिखित सांकेतिक कारकों की जांच की गई है ।

i) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमत

70. जांच अवधि के दौरान जो देश जांच में शामिल नहीं हैं उन देशों से हुए आयातों का हिस्सा कुल आयातों का 9.25% रहा है । एक देश से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती भी नहीं हो रही थी । तथापि, उसका हिस्सा जांच अवधि में कुल आयातों का 1.3% रहा है । अन्य देशों (चीन, हांगकांग और चीनी ताइपेई) जिनसे घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही है, उन पर पहले से ही पाटनरोधी शुल्क लागू है । अतः अन्य देशों से हुए आयातों को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता ।

ii) मांग में कमी, खपत की पद्धति में परिवर्तन और प्रौद्योगिकी विकास

71. प्रौद्योगिकी में आगे और विकास होने तथा बाजार में नया उत्पाद आने के कारण संबद्ध वस्तु की खपत की पद्धति में इस उत्पाद के पक्ष में परिवर्तन हो रहा है । भारत ने क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है । अतः खपत की पद्धति में परिवर्तन और मांग में कमी को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारक नहीं माना जा सकता ।

iii) विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

72. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उद्योग में ऐसा कोई प्रतिबंधात्मक व्यवहार प्रचलित नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है ।

iv) निर्यात निष्पादन

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
निर्यात बिक्री	लाख नग	5613	7778	8847	8368
लागत की बिक्री	सूचीबद्ध	100	94	87	77
बिक्री कीमत	सूचीबद्ध	100	88	69	69
लाभ/हानि	सूचीबद्ध	100	46	(61)	12

73. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा में वर्ष 2007-08 तक वृद्धि हुई और जांच अवधि में मामूली कमी आई । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के लिए वित्तीय निष्पादन केवल घरेलू बिक्री के संबंध में किया गया है । अतः निर्यात निष्पादन को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारक नहीं माना जा सकता ।

v) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

74. प्रति कर्मचारी उत्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में पर्याप्त सुधार हुआ है इसलिए यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारक नहीं हो सकता ।

75. प्राधिकारी की जानकारी में ऐसा कोई अन्य कारक नहीं आया है जिससे घरेलू उद्योग को संभावित क्षति हो सकती है ।

कारणात्मक संबंध

76. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को चीन जन.गण., हांगकांग और चीनी ताइपेई से पाटित आयातों का सामना करना पड़ रहा था और इनसे घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती हो रही थी । पाटित आयातों के प्रभाव को निष्प्रभावी बनाने के लिए इन देशों पर 23 जुलाई, 2008 को पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था । तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष अर्थात् 2007-08 की तुलना में जांच अवधि में संबद्ध देशों से आयातों में तेजी से वृद्धि हुई । आगे यह नोट किया गया है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण जांच अवधि और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष के दौरानघरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में भारी कटौती हो रही थी । भारत में संबद्ध वस्तु का पाटन करने वाले देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार होना चाहिए था । तथापि, पाटन के स्रोत में परिवर्तन हो जाने के कारण घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन में सुधार नहीं हुआ और घरेलू उद्योग को घाटा जारी रहा । आगे यह नोट किया गया है कि तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में संबद्ध देशों से निर्यात की कीमत में वृद्धि हुई है । तथापि, घरेलू उद्योग को बिक्री कीमत में भारी कटौती के मद्देनजर बिक्री कीमत में कमी करनी पड़ी थी । लगातार हो रहे घाटे के कारण नकद प्रवाह और लगाई गई पूँजी पर आय पर प्रभाव पड़ा है और इसमें नकारात्मक प्रवृत्ति जारी है । प्राधिकारी को संबद्ध देशों से पाटित आयातों से भिन्न ऐसा कोई अन्य कारक नहीं मिला है जिससे घाटा हो सकता है । अतः पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का पता चलता है ।

77. प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत के बाद संबद्ध देशों से होने वाले आयातों में अत्याधिक वृद्धि हो रही है और इनसे होने वाली क्षति जारी रहेगी और इसीलिए यह जरूरी है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हुई क्षति को रोकने के लिएअनंतिम शुल्क लगाया जाए । उपर्युक्त जांच के आधार पर अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत और घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तु की औसत निवल बिक्री प्राप्ति से कम कीमत पर किया गया है और इससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है जिससे संबद्ध वस्तु के पाटन और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का पता चलता है ।

छ. निष्कर्ष

78. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि :

- क. संबद्ध देशों से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- ग. यह क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

ज. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

79. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आम तौर पर पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार से प्रतिबंधित नहीं होंगे, अतः उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

झ. सिफारिशें

80. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरूआत कर उसकी सूचना समस्त हितबद्ध पार्टियों को दी गई थी और पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। निर्धारित नियमों के अनुसार, पाटन, क्षति तथा पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की प्रारंभिक जांच शुरू कर उसे संपत्र करने के बाद तथा संबद्ध देशों के खिलाफ सकारात्मक पाटन मार्जिन की अनंतिम पुष्टि करने एवं यह निष्कर्ष निकालने के बाद कि घरेलू उद्योग को ऐसे पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है, प्राधिकारी का यह मत है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हो रही क्षति की जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति की भरपाई करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है।

81. अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों से हुए संबद्ध वस्तु के आयातों पर निम्नलिखित प्रपत्र में और ढंग से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ।

82. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन जो कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके । तदनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से नीचे दी गई शुल्क तालिका के कालम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है ।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	टैरिफ मद	वस्तु विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	घनराशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	8523	*डिजिटल वर्स टाइल डिस्क रिकॉर्डबल	वियतनाम	वियतनाम	मै. रीटेक वियतनाम कंपनी लि.	मै. रीटेक वियतनाम कंपनी लि.	31.90	प्रति 1000 नग	अम.डॉ.
2	वही	वही	वियतनाम	वियतनाम	क्र.से. 1 से इतर उत्पादक और नियातक के संयोजन से मिश्र कोई		49.25	प्रति 1000 नग	अम.डॉ.
3	वही	वही	वियतनाम	वियतनाम से इतर कोई देश	कोई	कोई	प्रति 1000 नग	प्रति 1000 नग	अम.डॉ.
4	वही	वही	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू हैं, उन देशों से इतर कोई देश	वियतनाम	कोई	कोई	प्रति 1000 नग	प्रति 1000 नग	अम.डॉ.
5	वही	वही	थाईलैंड	थाईलैंड	कोई	कोई	प्रति 1000 नग	प्रति 1000 नग	अम.डॉ.
6	वही	वही	थाईलैंड	थाईलैंड से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	प्रति 1000 नग	प्रति 1000 नग	अम.डॉ.
7	वही	वही	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू हैं, उन देशों से इतर कोई देश	थाईलैंड	कोई	कोई	प्रति 1000 नग	प्रति 1000 नग	अम.डॉ.

8	वही	वही	मलेशिया	मलेशिया	कोई	कोई	प्रति 1000 नग	प्रति 1000 नग	अम.डॉ.
9	वही	वही	मलेशिया	मलेशिया से इतर कोई देश	कोई	कोई	प्रति 1000 नग	प्रति 1000 नग	अम.डॉ.
10	वही	वही	जिन देशों पर पाटनरोधी चुल्क लागू है, उन देशों से इतर कोई देश	मलेशिया	कोई	कोई	प्रति 1000 नग	प्रति 1000 नग	अम.डॉ.

*वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद सभी प्रकारों की डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क रिकॉर्डबल है। इस प्रकार के उत्पाद में डीवीडी-आर, डीवीडी + आर, डीवीडी-आरडब्ल्यू तथा डीवीडी + आर डब्ल्यू शामिल हैं।

ज. आगे की प्रक्रिया

83. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :-

- (क). प्राधिकारी समस्त हितबद्ध पार्टियों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा। हितबद्ध पार्टी भी इस जांच परिणाम के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है।
- (ख). प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और सत्यापन किया जाएगा;
- (ग) प्राधिकारी द्वारा अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन किया जाएगा।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)
NOTIFICATION

New Delhi, the 13th November, 2009

Preliminary Findings

Subject: Preliminary findings of Anti-dumping investigations on imports of Digital Versatile Discs- Recordable (DVD-R and DVD-RW) from Malaysia, Thailand and Vietnam

F. No. 14/16/2009-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

2. WHEREAS Optical Disc Manufacturers Welfare Association (ODMWA), New Delhi (herein after referred to as the Applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred as Rules), alleging dumping of Digital Versatile Discs Recordable (DVD-R and DVD-RW) (hereinafter referred to as subject goods), originating in or exported from the Malaysia, Thailand and Vietnam (herein after referred to as subject countries) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods. The embassies of subject countries were notified about the receipt of fully documented application as per Rule-5(5).

3. And Whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 5th May, 2009 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. General

4. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigations by the Authority:-

- a) The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 05.05.09 to the Embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, importers and the domestic industry as per the addresses available, and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- b) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassies of subject countries in accordance with Rule 6(3) supra.
- c) The Embassies of the subject countries in New Delhi, were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to Embassies of subject countries along with the names and addresses of the exporters.
- d) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information to the known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4). The Authority also sent questionnaire concerning Market Economy Treatment to exporters of Vietnam.

e) Request was made to the DGCI&S to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation however, data has not been received .Data received from IMPEX Statistics have been relied upon in this findings;

f) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

g) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out provisionally so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;

h) The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is 1st April 2008 to March 2009 (12 months). The injury analysis however covers the periods April,2005-March,06, April,2006–March,2007, April,2007–March,2008 and the POI.

i) In response to the above said notification one exporter M/S- Ritek Vietnam Co. Ltd from Vietnam has submitted the information. Other exporters from subject countries have not filed their responses to questionnaire have been treated as non co-operative.

j) *** in this finding represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

B. Product under Consideration

5. The product under consideration is "Recordable Digital Versatile Disc [DVD] of all kinds" which is being dumped in the Indian market by the exporters from Malaysia, Thailand and Vietnam. DVD can be of a number of types, such as DVD-R, DVD+R, DVD-RW, DVD+RW, mini DVD-R, mini DVD-RW. A DVD can be recorded once or several times.

6. DVD-R and DVD+R discs can be either single or double-sided. A single-sided (SS) disc is composed of a recording side and a dummy side while a double-sided (DS) disc consists of two recording sides. The recording side of a DVD-R and DVD+R disc is a sandwich of a number of layers.

- Mastering : A process of forming a master for optical disks, generally referred to as "mastering", is where a nickel or the like metallic master, i.e., "stamper", is formed at its final step. A large number of optical disks are duplicated with use of the stamper as a mold in a succeeding molding process.
- Moulding: First comes a polycarbonate plastic substrate containing a shallow spiral groove extending from the inside to the outside diameter of the disc.
- Dye Coater: In this section an organic dye recording layer (AZO) is applied on blank substrate . This layer acts as recording layer. Dye is applied using spin coating and the metal layers by means of DC sputtering.
- Sputter (Metallizing): A metal reflective layer is applied on disc (silver).
- Bonding: An adhesive then bonds two recording sides (for a double-sided)

or a recording and dummy side (for a single-sided) together into the final disc. Some single-sided discs are also topped on the dummy side with decorations or additional layers that provide surfaces suitable for labeling by inkjet, thermal transfer or re-transfer printers. Bonding is done by using a hot melt, UV cationic or free radical process

- Printing: Then required printing design is applied by screen printing method.
- Construction of DVD-RW and DVD+RW: To allow information to not only be written but also re-written many times over, DVD-RW, DVD+RW) disc construction

is more complex than that of DVD-R and DVD+R (recordable). Just like a recordable disc, a rewritable disc can be either single or double-sided. The recording side of a rewritable disc also uses multiple layers beginning with a polycarbonate plastic substrate containing a shallow spiral groove extending from the inside to the outside diameter of the disc.

7. Next comes a dielectric layer (zinc sulfide and silicon dioxide), followed by a phase-change alloy recording layer (either indium, silver, tellurium and antimony or germanium, tellurium and antimony), another dielectric layer and a metal reflective layer (silver, silver alloy, aluminum). Additional layers may also be incorporated above or below the dielectric layers (germanium nitride, silicon carbide, silicon dioxide, silicon nitride, zinc sulfide, antimony telluride and others).

8. The dummy side consists of a flat polycarbonate plastic substrate sometimes with an additional metal layer. An adhesive then bonds the sides together into a single disc.

9. The product is classified under ITC (HS) and Customs Classification No.8523. The product is import of the subject products is being made under Chapter 8523 of the Customs Classification with the following subheading:

85232920,85232950,85232970,85234040,85234050,85234060;85234080,8523409,85238090,85235290,85238050,85239010,85239040,85239050 and 85239090.

However the above classification is indicative only and is no way binding on the investigation.

C. Like Article

10. The applicant has claimed that the goods produced by them are "like articles" to the goods originating in or exported from the subject countries. Recordable Digital Versatile Disc [DVD] produced by the domestic industry and imports from subject countries are comparable, technically and commercially substitutable in terms of physical, technical characteristics, functions and uses. Therefore, for the purpose of investigation the Recordable Digital Versatile Disc [DVD] produced by the applicant is being treated as like articles of Recordable Digital Versatile Disc [DVD] imported from subject countries within the meaning of the Anti Dumping Rules.

D. Standing of the Domestic Industry and Initiation of the Investigation

11. Application has been filed by M/s Optical Disc Manufacturers Welfare Association, New Delhi through TPM Consultants, New Delhi on behalf of the domestic industry. As per the information available M/s Mosebaer India Ltd is the only producer of the like article during the POI. Therefore applicant has the desired standing to file the case for anti dumping investigation on behalf of domestic industry under Rule 5(3)(a) of Rules and constitutes domestic industry as per Rule 2(b)

Confidentiality

12. The confidentiality claims of domestic industry in respect of the data submitted by them have been examined. The data concerning costing, customers prices have been treated as confidential. The data of the exporter, Ritek Vietnam Co. Ltd. submitted as confidential has been treated as confidential in the preliminary findings , however, the claim of confidentiality will be examined in detail after receipt of comments from interested parties.

E. Methodology for calculation of dumping margin

Market Economy Treatment for Exporters from Vietnam

13. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption by treating Vietnam as a non-market economy country as per para 8(2) of Annexure1of the Rules, for purposes of an anti dumping investigation. Upon initiation, the Authority advised the producers/Exporters in the country to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status.

14. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known exporters for rebutting presumption of non market economy in accordance with criteria laid down in para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of Vietnam to advise producers/exporters in their country to provide information.

15. The Authority notes that the applicant has proposed that Vietnam be treated non market economy, and also notes that for determining normal value the applicant has considered normal value determined for Malaysia as the normal value in Vietnam.

16. The Authority further notes that M/S- Ritek Vietnam Co. Ltd from Vietnam submitted information on prescribed format to rebut the presumption of non market economy . The information is under examination and the status of Market economy treatment would be decided after verification of the information. For the purpose of preliminary findings the normal value has been determined on the basis of data submitted by the exporter.

Normal Value

Normal Value for M/S- Ritek Vietnam Co. Ltd

17. From the data submitted by the exporter it is noted that there was no domestic sales of the subject goods during the POI . To determine the normal value the Authority has therefore relied on the cost of production of the exporter as per Section 9A 1(c) (ii) (b) . It has further been noted that the exporter has submitted data on cost of production three times. The data on cost of production in Appendix-8 submitted for the 1st time has been relied upon, however, the information relating to the cost on account of raw materials have been adjusted by cross checking the information from Appendix-5 and 6, submitted at the later stage. For calculation of Normal value profit @ of 5% has been added to cost of production. By this methodology the normal value has been provisionally determined as US\$*** per thousand pcs for BOS packing.

Normal Value for non co-operating exporters from Vietnam.

18. The normal value for non co-operating exporters has been taken as the one determined for M/S- Ritek Vietnam Co. Ltd .

Normal Value for non co-operating exporters from Malaysia

19. No exporters from Malaysia has responded to the Initiation Notification and provided no information about normal value. In absence of the co-operation from exporters the Authority has constructed normal value on the basis of facts available as per Rule-6(8). Price of Polycarbonate, one of the main raw material has been taken as that of cost to domestic industry . (The prices of Polycarbonate for imports to Malaysia as per World Trade Atlas was much higher than that of domestic industry). Prices of other raw materials, consumption norms for the raw materials , utilities and conversion cost have been taken as that of the domestic industry in India. To this financial cost and profit @5% each has been added to construct the normal value. By this methodology, the normal value for Malaysia has been determined as below.

Value in US\$ per"000 Pcs.

Normal value	Cake box	BOS
DVD-R	***	***
DVD-RW	No imports	No imports

Normal Value for non co-operating exporters from Thailand

20. No exporters from Thailand has responded to the Initiation Notification and provided any information about normal value. In absence of the co-operation from exporters the Authority has constructed normal value on the basis of facts available as per Rule-6(8). Price of Polycarbonate, one of the main raw material has been taken as that of cost to domestic industry . (The prices of Polycarbonate for imports to Thailand as per World Trade Atlas was much higher than that of domestic industry). Prices of other raw materials, consumption norms for the raw materials , utilities and conversion cost have been taken as that of the domestic industry in India. To this financial cost and profit @5% each has been added to construct the normal value. By this methodology, the normal value for Thailand has been determined as below.

Value in US\$ per"000 Pcs.

Normal value	Cake box	BOS
DVD-R	***	***
DVD-RW	No imports	No imports

E.2 Export price

Vietnam

Export price for Ritek Vietnam Co. Ltd .

21. M/s-Ritek Vietnam Co. Ltd .from Vietnam has co-operated and provided transaction wise details of exports to India . In the preliminary findings all transaction of export provided by the exporter have been taken in to consideration. To determine the net export price , the expenses shown in the Apopendix-2 and 3 on account of Ocean freight , inland freight, packing expenses and handling charges have been relied upon and adjusted subject to verification. By this methodology the net export price at ex-factory level has been determined as US\$ ***per thousand pcs for BOS packing as claimed.

Export price for non co-operating exporters from Vietnam

22. For non co-operating exporters from Vietnam the export price has been determined on the basis of minimum priced export transactions comprising of a reasonable commercial volume of the total exports of the responding exporter. To determine the net export price the expenses on account of Ocean freight, inland freight and handling charges as revealed by the co-operating exporter have been adjusted. By this methodology the net export price at ex-factory level has been determined as US\$ ***per thousand pcs for BOS packing . (Imports from Vietnam constitute BOS packing only.)

Export price for non co-operating exporters from Malaysia

23. As no exporters from Malaysia has co-operated , therefore the export price has been determined on the basis of facts available as per Rule-6(8). For this purpose, the Authority has relied upon the transaction wise imports data procured from Impex statistics It has been observed that the DVD R has been imported in different packages. The weighted average export price has been determined separately for different packing by segregating data of the relevant packing.

24. To determine ex-factory export price, expenses on account of Ocean freight, Marine insurance @0.10%, port expenses and inland freight have been adjusted. For ocean freight , port expenses and inland freight the information provided by the co-operating exporter from Vietnam has been relied upon. By this methodology the ex-factory export price has been determined as under.

Value in US\$ per"000 Pcs.

Ex-factory export price	Cake box	BOS
DVD-R	***	***

Export price for non co-operating exporters from Thailand

25. As no exporters from Thailand has co-operated , therefore the export price has been determined on the basis of facts available as per Rule-6(8). For this purpose, the Authority has relied upon the transaction wise imports data procured from Impex statistics It has been observed that the DVD R has been imported mainly in BOS packages .(The imports in cake box constitutes very small quantity at abnormal price, therefore ignored).

26. To determine ex-factory export price, expenses on account of Ocean freight, Marine insurance @0.10%, port expenses and inland freight have been adjusted . For ocean freight , port expenses and inland freight the information provided by the co-operating exporter from Vietnam has been relied upon. By this methodology the net export price at ex-factory level has been determined as US\$ ***per thousand pcs for BOS packing

E.3 Dumping Margin

27. There is sufficient evidence that the normal values of the subject goods in the subject countries are significantly higher than the net export prices indicating prima-facie that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject countries.

28. On the basis of normal values and export prices as determined above, the dumping margins are determined as per table below:-

Vietnam

Value in US\$ per"000 Pcs.

	Ritek	Non co-operative exporters
Normal Value	***	***
Export Price	***	***
Dumping Margin	31.91	49.25
Dumping Margin(%)	32.99	62.04

Malaysia

Value in US\$ per"000 Pcs.

	DVD R		Weighted Average
	BOS	Cake Box	
Normal Value	***	***	
Export Price	***	***	***
Dumping Margin	37.53	(21.79)	35.92
Dumping Margin(%)	36.14	(13.18)	34.05

Thailand

Value in US\$ per"000 Pcs.

	DVD R
	BOS
Normal Value	***
Export Price	***
Dumping Margin	25.98
Dumping Margin(%)	22.51

29. The dumping margins so determined provisionally are significant and above de minimis level.

F. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINKS

F.1 Injury Determination

30. For the purpose of injury analysis the entire imports from the subject countries have been treated as dumped imports.

Submissions by the Domestic Industry

31. The domestic industry has raised the following arguments:

- (a) Imports of the product under consideration have significantly increased in absolute terms and in relation to production in India.
- (b) The average imports per month increased significantly even within the proposed period of investigation.
- (c) The imports are significantly undercutting the prices of domestic industry. Resultantly, imports were depressing the prices of the domestic industry in the market.
- (d) Even though capacity, production and sales increased over the period, the increase in these parameters was a result of significant increase in demand anticipated earlier for the product. However, the domestic industry lost market share.
- (e) Profitability of the domestic industry has significantly declined over the period because of significant price pressure created by the imports.
- (f) Return on investment and cash flow have also deteriorated significantly over the period. The domestic industry is faced with negative return.
- (g) Inventories with the domestic industry have increased significantly.
- (h) Injury to the domestic industry is being caused by the dumped imports considering that the only reason for reduction in selling price is the decline in import prices.

Examination by the Authority

32. The Authority has noted the views expressed by the domestic industry and examined the mandatory factors for the purpose of provisional injury determination and causal link analysis in these findings.

F.2 Cumulative assessment of injury

33. The Annexure II (iii) of the Anti Dumping Rules requires that where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that

- (a) The volume of imports from individual countries are above de minimis:

- (b) The dumping margin against individual countries is above 2%; and
- (c) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles

34. The Authority notes that the dumped imports are entering the Indian market simultaneously from several countries, including the subject countries. Therefore, the issue of cumulative assessment of the injury caused to the domestic industry due to dumped imports from these sources has been examined with respect to the above parameters and it was observed that:

- i) The margins of dumping of individual products from each of the subject countries are more than the de minimis limit;
- ii) The volume of imports of individual products from each of the subject countries is more than the de minimis;
- iii) Imports from the subject countries are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market;

35. In view of the above, the Authority notes that cumulative assessment of injury is appropriate in this case as the exports of individual products from the subject countries are directly competing amongst themselves as well as with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market.

F.3 Examination of Injury and Causal Link

36. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure –II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

37. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

38. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume etc. have been examined as under.

F.4 Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares

a) Import Volumes

39. DVD is specifically importable under Customs Tariff Head 8523.40.80. The transaction-wise data of imports from Impex Statistics shows that the imports have been made under different custom tariff heads. Data from IMPEX Statistics have been relied upon for analysis.

40. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

41. For the purpose of injury analysis the Authority has relied on transaction wise import data procured from IMPEX Statistics. From the data it has been observed that imports of DVD R constitutes bulk of imports. It has also been observed that imports were made in various packing i.e. Cake box and BOS . However, mainly imports were in pack of BOS.

42. Volume of imports of the subject goods from the subject countries have been analysed as under:-

Import Volumes and share of subject country

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Imports –Volume					
Vietnam	in'000 Pcs	-	-	1,000	57,560
Malaysia	in'000 Pcs	5	57	7,196	14,249
Thailand	in'000 Pcs	41	104	552	8,088
Subject countries	in'000 Pcs	46	161	8,748	79,897
Countries attracting ADD	in'000 Pcs	13,246	20,574	71,474	24,565
Other Countries	in'000 Pcs	1,624	2,475	3,740	10,654
Total Imports	in'000 Pcs	14,915	23,210	83,962	115,117
Market Share in Imports					
Volume Basis					
Subject countries	%	0.31	0.69	10.42	69.41

Countries attracting ADD	%	88.80	88.65	85.13	21.34
Other Countries	%	10.89	10.66	4.45	9.26
Imports from subject countries in relation to production	%	0.005	0.01	0.57	4.97
Imports from subject countries in relation to consumption	%	0.12	0.17	3.21	16.80

43. The data shows imports from subject countries increased from 0.46 Lacs in 2005-06 to 799 lac pieces during POI, indicating sharp increase of 1737 times in imports during POI as compared to base year. As compared to immediate preceding year, the imports increased by 9 times. It has also been observed that imports of DVD was made in different packed forms. However, mainly imports were made in bulk package which constitute 99.49% of the total imports. The other packages were in cake box. It has been observed that imports have increased in absolute term, in relation to production and consumption.

b) Demand, Output and Market shares

i) Growth In Demand

Demand	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Sales of Domestic Industry-Domestic sale	in'000 Pcs	21,270	71,055	188,727	360,375
Sales of Other Indian Producers	in'000 Pcs	1,917	1,845	-	-
Subject countries-Imports					
Vietnam	in'000 Pcs	-	-	1,000	57,560
Malaysia	in'000 Pcs	5	57	7,196	14,249
Thailand	in'000 Pcs	41	104	552	8,088
Subject countries-Imports	in'000 Pcs	46	161	8,748	79,897
Countries Attracting ADD-Imports	in'000 Pcs	13,246	20,574	71,474	24,565
Other Countries-Imports	in'000 Pcs	1,624	2,475	3,740	10,654
Total Demand/Consumption	in'000 Pcs	38,103	96,110	272,689	475,492

44. Demand of subject goods has been determined by addition of domestic sales of Indian industry and imports from all countries. From the data, it has been observed that the demand for the subject goods had been growing from base year to POI. The data indicates that the demand grew in POI by 12 times as compared to base year and by 74% as compared to immediate preceding year.

ii) Production of the Domestic Industry

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Capacity Utilization					
Capacity	Lac Pcs	9,885	13,791	15,432	16,087
Production	Lac Pcs	6,435	9,344	11,101	12,171
Capacity Utilization	%	65.10	67.75	71.94	75.66

45. The above data shows that capacity of the domestic industry has been increasing every year. Similarly production also shows healthy growth. In POI, the production grew by 89% as compared to base year and 10% as compared to immediate preceding year. It has further been noted that the domestic industry has significant export sales which has increased by 49% as compared to base year. However, it declined slightly in POI(approximate 5%) as compared to immediate preceding year. The Authority observed that the increase in capacity and production was on account of exports as well as domestic sales. However, the domestic industry is left with significant idle capacity.

iii) Sales of Domestic Industry

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Domestic Sales	Lac Pcs.	213	711	1,887	3,604
Export Sales	Lac Pcs.	5,613	7,778	8,847	8,368

46. The data on sales indicates that the domestic industry sold 213 Lac Pcs of subject goods during 2005-06 and the same increased to 3,604 Lac Pcs during POI. The sale of domestic industry has been increasing throughout the injury period.

iv) Demand and Market Share :

47. Both the demand as well as market share of domestic product has been continuously increasing from the base year to the POI.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Sales of Domestic Industry	in'000 Pcs	21,270	71,055	188,727	360,375

Sales of Other Indian Producers	in'000 Pcs	1,917	1,845	-	-
Subject countries-Imports					
Vietnam	in'000 Pcs	-	-	1,000	57,560
Malaysia	in'000 Pcs	5	57	7,196	14,249
Thailand	in'000 Pcs	41	104	552	8,088
Subject countries-Imports	in'000 Pcs	46	161	8,748	79,897
Countries Attracting ADD-Imports	in'000 Pcs	13,246	20,574	71,474	24,565
Other Countries-Imports	in'000 Pcs	1,624	2,475	3,740	10,654
Total Demand/Consumption	in'000 Pcs	38,103	96,110	272,689	475,492
Market Share in Demand					
Sales of Domestic Industry	%	55.82	73.93	69.21	75.79
Sales of Other Indian Producers	%	5.03	1.92	-	-
Subject countries-Imports					
Vietnam	%	-	-	0.37	12.11
Malaysia	%	0.01	0.06	2.64	3.00
Thailand	%	0.11	0.11	0.20	1.70
Subject countries-Imports	%	0.12	0.17	3.21	16.80
Countries Attracting ADD-Imports	%	34.76	21.41	26.21	5.17
Other Countries-Imports	%	4.26	2.57	1.37	2.24

48. The demand of subject goods in the domestic industry has shown rising trend. From 381 lac pieces in the base year, the demand increased to 4755 lac pieces in POI. The demand in POI grew by 12 times (1248%) as compared to base year and 74% as compared to immediate preceding year. From the base year to POI, market share of the domestic industry increased from 55.82% to 75.79% and as compared to immediate preceding year, the market share increased from 69.21% to 75.79%. The share of the subject countries from base year increased from 0.12% to 16.80% and as compared to immediate preceding year it increased from 3.21% to 16.80%. It has further been noted that countries which were subjected to anti dumping duties, their share declined significantly from 26.21% in 2007-08 to 5.17% in POI.

4144 GL/09-6

(c) Price Effect of the Dumped imports from subject countries on the Domestic Industry

(i) Evaluation of export price over the injury analysis period

Export Price	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Vietnam	Rs./Pc			3.27	4.72
Malaysia	Rs./Pc	6.20	5.17	4.14	4.92
Thailand	Rs./Pc	22.31	11.12	4.57	5.42
Subject Countries	Rs./Pc	20.56	9.01	4.07	4.82
Trend	Indexed	100	44	20	23

49. The data on export price shows that prices from subject countries have declined from base year to POI. It has been observed from the data that the prices declined significantly from base year to POI. As compared to immediate preceding year, however, the prices increased by approximately 76 paisa for subject countries together i.e. an increase of about 18%. For individual subject countries as well, the prices increased from immediate preceding year to POI. It has further been noted that the prices of major raw material i.e. Polycarbonate remained same in 2007-08 and POI as per the data of the domestic industry (the polycarbonate prices as per World Trade Atlas for imports to the subject countries were abnormally high, therefore, no meaningful comparison could be made).

(ii) Price undercutting and underselling effects

Calculation of Price undercutting for Malaysia

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Volume of Imports	Volume(000)	5	57	7196	14249
Assessable value	Rs/Pc.	6.26	5.22	4.18	4.97
Landing Charge 1%	Rs/Pc.	0.06	0.05	0.04	0.05
CIF export price	Rs/Pc.	6.20	5.17	4.14	4.92
Customs Duty (Rate)	%	0%	0%	0%	0%
Customs Duty	Rs/Pc.	-	-	-	-
Landed price of imports	Rs/Pc.	6.20	5.17	4.14	4.92
Net Selling Price	Indexed	100	90	75	70
Price Undercutting	Indexed	100	112	99	39
Price Undercutting (%)	% Range	20 to 30	25 to 35	25 to 35	10 to 20

Calculation of Price undercutting for Thailand

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Volume of Imports	Volume(000)	41	104	552	8,088
Assessable value	Rs/Pc.	22.54	11.23	4.62	5.47
Landing Charge 1%	Rs/Pc.	0.23	0.11	0.05	0.05
CIF export price	Rs/Pc.	22.31	11.12	4.57	5.42
Customs Duty (Rate)	%	0%	0%	0%	0%
Customs Duty	Rs/Pc.	-	-	-	-
Landed price of imports	Rs/Pc.	22.31	11.12	4.57	5.42
Net Selling Price	Indexed	100	90	75	70
Price Undercutting	Indexed	-100	-27	11	2
Price Undercutting (%)	% Range	(-170 to 175)	(-45 to 55)	20 to 30	1 to 10

Calculation of Price undercutting for Vietnam

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Volume of Imports	Volume(000)	No imports	No imports	1,000	57,560
Assessable value	Rs/Pc.			3.30	4.76
Landing Charge 1%	Rs/Pc.			0.03	0.05
CIF export price	Rs/Pc.			3.27	4.72
Customs Duty (Rate)	%			0%	0%
Customs Duty	Rs/Pc.			-	-
Landed price of imports	Rs/Pc.			3.27	4.72
Net Selling Price	Indexed			100	93
Price Undercutting	Indexed			100	34
Price Undercutting (%)	% Range			40 to 50	10 to 20

Calculation of Price undercutting for Subject Countries

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Volume of Imports	Volume(000)	46	161	8,748	79,897
Assessable value	Rs/Pc.	20.77	9.11	4.11	4.87
Landing Charge 1%	Rs/Pc.	0.21	0.09	0.04	0.05
CIF export price	Rs/Pc.	20.56	9.01	4.07	4.82
Customs Duty (Rate)	%	0%	0%	0%	0%
Customs Duty	Rs/Pc.	-	-	-	-
Landed price of imports	Rs/Pc.	20.56	9.01	4.07	4.82

Net Selling Price	Indexed	100	90	75	70
Price Undercutting	Indexed	-100	-13	16	7
Price Undercutting (%)	% Range	(-)150 To 155	(-) 20 to 30	30 to 40	10 to 20

50. Further the price undercutting was examined package wise for the subject countries for the product under consideration package wise for the POI, the table below shows that there is positive undercutting.

		DVD-R	
		BOS	Cake Box
Volume of Imports	Volume(000)	79,487	410
Assessable value	Rs./Lacs	3,858.71	34.58
Assessable value	Rs/Pc.	4.85	8.43
Landing Charge 1%	Rs/Pc.	0.05	0.08
CIF export price	Rs/Pc.	4.81	8.34
Customs Duty (Rate)	%	0%	0%
Customs Duty	Rs/Pc.	-	-
Landed price of imports	Rs/Pc.	4.81	8.34
Net Selling Price	Indexed	100	130
Price Undercutting	Indexed	100	(539)
Price Undercutting (%)	% Range	1 to 10	(-) 20 to 30

51. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting and price underselling, if any. For the purpose of this analysis the weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed value of imports from the subject countries.

52. In determining the weighted net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated.

53. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject countries over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose, imports have been segregated in packed form and bulk form. The landed value of imports has been calculated by adding (for the relevant years) 1% handling charge (basic customs duty for the PUC is zero) to the value reported in the import data of import prices from the

subject countries. The weighted average undercutting from subject countries during POI was in the range of 10-20%.

54. For the purpose of price underselling determination the weighted average landed prices of imports from subject countries have been compared with the non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. The weighted average underselling in respect of BOS was in the range of 55-75% and in respect of Cake box was in the range of 15-25%.

(iii) Price suppression and depression effects of the dumped imports:

55. It has been noted that the selling price of the domestic industry declined by 30% in POI as compared to base year. As compared to immediate preceding year, the price declined by 7% paisa indicating that there was price depression. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production and net sales realization of the domestic industry. It has been noted that the cost of sales declined by 65 paisa in POI as compared to immediate preceding year where as the selling price declined by 40 paisa in the same period indicating that the domestic industry had to reduce the price, however, the priced declined was less than that of decline in cost of sales thereby the domestic industry could reduce the loss in the domestic sales.

F.5 Examination of other Injury Parameters

56. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analyzed hereunder as follows:-

Profits and actual and potential effects on the cash flow

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Sales (NSR)	Indexed	100	90	75	70
Cost to make and sell	Indexed	100	77	87	80
Profit before tax	Indexed	(100)	(142)	(212)	(180)
Profits before interest	Indexed	(100)	(763)	(3469)	(5091)
Total Profit before tax	Indexed	(100)	(476)	(1871)	(3027)
Cash profit	Indexed	100	139	(178)	(224)

57. The data shows that cost of sales of the domestic industry declined significantly over the injury period. From 2005-06 to POI, the cost to make and sell declined by Rs. 1.76/pc due to declining conversion cost and of raw materials other than polycarbonate. During the same period, the selling price declined by Rs.2.47/pc indicating disproportionate reduction in selling price as compared to cost of sales. However, as compared to immediate preceding year, the loss per unit declined on account of higher decline in cost of sales as compared to decline in selling price. The loss per unit (indexed) increased from -100 in the base year to -179 in the POI, as compared to immediate preceding year the loss declined from -211 to -179. Similarly, Profit before interest and tax (PBIT) (indexed) increased from -100 to -5090 in POI as compared to base year. The profit before tax declined on consistent basis throughout the injury period. The loss incurred by the domestic industry during the POI has increased manifolds. The domestic industry has suffered a negative cash profit both during POI and preceding year 2007-08 and cash losses have increased during POI.

Return on Capital Employed

Return on Capital Employed

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Net Fixed Assets	Indexed	100	255	564	906
Working Capital	Indexed	100	231	854	1116
Total Capital Employed(on NFA basis)	Indexed				
		100	249	629	953
Return on Capital Employed-NFA	Indexed	(100)	(306)	(552)	(712)

58. The above data on return on capital employed shows that return declined very steeply over the injury period.

Employment and wages

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Employees	No.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	112	92	90
Wages	Lakhs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	161	233	236

59. The manufacturing facility of the domestic industry covers both subject goods and other products not covered in this investigation. The number of employees has been taken for plant as a whole. The above data shows that number of employees has decreased by 9.69% during POI as compared to base year. The wages however increased from (indexed) from 100 in the base year to 236 in POI and wages per employee has increased 100 in base year to 262 in POI.

Productivity

60. The productivity per employee measured as production per employee has improved significantly from base year to POI. It has gone up (indexed) from 100 in base year to 209 in POI.

Inventories

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Opening	Lac Pcs	646	1,195	2,005	2,314
Closing	Lac Pcs	1,195	2,005	2,314	2,503
Average	Lac Pcs	920	1,600	2,160	2,408
Stock as no. of days of sales	Days	58	69	73	73

61. The above data shows that the average inventory increased significantly over the years. Inventories measures in term of sale days also increased from base year to POI though there was no change in POI as compared to immediate preceding year. The inventory however is not correct indicator for the injury analysis in this case as the inventory calculated includes the inventory lying in warehouses though already allocated for export purpose.

Growth

62. The growth in demand shows positive trend from base year to POI on year-to-year basis. The growth in production and sales were positive. However, cost, selling price, profitability and return on investment shows negative trend.

Growth Compared to Previous Year		2006-07	2007-08	2008-09
Production	%	45.22	18.80	46.19
Domestic Sales Volume	%	234.06	65.61	154.60
Selling price domestic	%	(9.81)	17.23)	(6.59)
Cost of sales domestic	%	(4.97)	[8.15)	(8.54)
Average stock	%	73.86	34.95	11.53
Return on capital employed (NFA basis)	%	(2.66)	[3.16)	(2.07)

Investment

63. The Authority notes that the domestic industry had infused fresh capital to increase the capacity for subject goods and other goods during the injury period.

Magnitude of Dumping

64. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject countries for the POI, are significant.

Factors affecting prices

65. The Authority notes that the cost of sales declined during the injury period. From 2005-06 to POI, the cost to make and sell declined by Rs.1.68/pc. As compared to immediate preceding year, the cost to make and sell declined by 65 paisa per piece. The landed value from subject countries though has declined from base year to POI, however as compared to immediate preceding year it has increased by 75 paisa. It has further been noted that though the landed value from subject countries has increased in POI as compared to immediate preceding year, however, there is a significant undercutting of the selling price of the domestic industry, by imports from subject countries. It has further been noticed that earlier the domestic industry was facing undercutting from the other countries which has since been subjected to anti dumping duty on 23.7.2008. Moreover, the domestic industry has suffered significant priceselling.

F.6 Conclusion on injury parameters

66. The capacity and production of the domestic industry has improved consistently from base year to POI. In this regard, it has been noted that the domestic industry is not only catering to the demand in the domestic market but also catering to the export market. In fact, the domestic sale of the domestic industry is 30% of the total sales in the POI. The domestic sale of the domestic industry has also improved from base year to POI. The demand of the product in the domestic market has shown consistent growth and the domestic industry has improved its share in the domestic market to 76% in POI as compared to 56% in the base year and 69% in immediate preceding year, indicating that the domestic industry has been able to capture the market share and has taken advantage of growth in demand. However, the domestic industry is still left with idle capacity.

67. The cost of sale of the product though has declined significantly from base year to POI, however the selling price also declined. The relative decline in selling price was more as compared to corresponding decline in cost of sales. The domestic industry was suffering loss in the domestic sales in POI and continues to make loss in injury period. The loss per unit however declined in POI as compared to immediate preceding year. The Losses (PBIT) increased from base year to POI. From a position of positive cash-profit during the base

year, the domestic industry was suffered negative cash profit both during 2007-08 and 2008-09 (POI).

68. The analysis of above economic parameters indicates that the domestic industry though has taken advantage of growth in demand, but continue to make loss in the domestic sales and consequently suffered the injury.

F.7 Other Known factors and Causal Link

69. The Authority has also examined the other non-attribution factors as laid down in the Rules to analyse the injury if any caused by other factors. In this regard the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined.

i) Volume and prices of imports from other sources

70. During POI, imports from countries not under investigation constitute 9.25% of the total imports. The imports from one country was also undercutting the selling price of the domestic industry. However, it constitutes only 1.3% of total imports during the POI. The other countries (China, Hong Kong and Chinese Taipei) which are undercutting the prices of the domestic industry have already been subjected to anti dumping duty. Therefore, the imports from other countries cannot be considered as causing injury to the domestic industry.

ii) Contraction in demand, change in pattern of consumption and Development of technology

71. Because of development of further technology and new product in the market, the consumption pattern of the subject goods is undergoing change in favour of this product. In India the subject goods have shown robust growth during the injury period. Therefore, the change in patter of consumption and contraction of demand cannot be considered as a factor causing injury to domestic industry.

iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

72. The Authority notes that there is no restricted practice prevalent in the industry which could be attributed to the injury to the domestic industry.

iv) Export performance

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Export Sales	Lac Pcs.	5613	7778	8847	8368
Cost of sales	Indexed	100	94	87	77

Selling Price	Indexed	100	88	69	69
Profit/Loss	Indexed	100	46	(61)	12

73. The Authority notes that the export volume of the domestic industry has been increasing till 2007-08 and marginally reduced in POI. The Authority also notes that the analysis of financial performance for the injury period has been done for the domestic sales only. Therefore, the export performance cannot be considered as a factor causing injury to the domestic industry.

v) Productivity of the Domestic Industry

74. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee has improved significantly, therefore this cannot be a factor causing injury to the domestic industry.

75. No other factor, which could have possibly caused injury to the domestic industry, has come to the notice of the Authority.

Causal Link

76. The Authority notes that the domestic industry was facing dumped imports from China PR, Hong Kong and Chinese Taipei and were undercutting the selling price of the domestic industry. On 23rd July, 2008, these countries were subjected to anti dumping duty to neutralize the effect of dumped imports. The imports from subject countries sharply increased in POI as compared to immediate preceding year i.e. 2007-08. It has further been noted that the imports from subject countries were undercutting the selling price of the domestic industry significantly during the POI as well as in immediate preceding year. As a consequence of anti dumping duty on countries dumping the subject goods to India, the performance of the domestic industry should have improved. However, because of change of source of dumping, the financial performance of the domestic industry did not improve and losses of the domestic industry continued. It has further been noted that the export price from the subject countries have improved in POI as compared to immediate preceding year. The domestic industry however had to reduce the selling price keeping in view the significant undercutting of the selling price. The continuing of losses has also impacted cash flow and return on capital employed and it continued to show negative trend. The Authority has not found any other factors other than dumped imports from the subject countries which could be attributed to the losses, indicating causal link between the dumped imports and injury to the domestic industry.

77. The Authority further notes that the imports from subject countries are rising significantly after the initiation of the investigation and would continue to cause injury and therefore it is necessary that provisional duty is imposed to prevent injury to the domestic industry during the investigation. On the basis of the above examination it is provisionally concluded that the subject goods exported from the

subject countries are at prices below their normal values, non injurious price of the domestic industry and the average net sales realization of the subject goods of the domestic industry, and have caused injury to the domestic industry indicating causal links between dumping of subject goods and injury to the domestic industry.

G. Conclusions

78. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- A. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value;
- B. The domestic industry has suffered material injury;
- C. The injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

H. Indian industry's interest & other issues

79. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

I. Recommendations

80. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margins against the subject countries, as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation.

81. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

82. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the

domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Column-8 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

Duty Table

S N	Tariff Item	Description Of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	8523	*Digital Versatile Disc Recordable	Vietnam	Vietnam	M/s-Ritek Vietnam Co. Ltd	M/s-Ritek Vietnam Co. Ltd	31.90	Per 1000 pieces	US\$
2	Do	Do	Vietnam	Vietnam	Any other combination of producer and exporter other than at S. No. 1		49.25	Per 1000 pieces	US\$
3	Do	Do	Vietnam	Any country other than Vietnam	Any	Any	49.25	Per 1000 pieces	US\$
4	Do	Do	Any country other than countries attracting anti dumping duty	Vietnam	Any	Any	49.25	Per 1000 pieces	US\$
5	Do	Do	Thailand	Thailand	Any	Any	25.98	Per 1000 pieces	US\$
6	Do	Do	Thailand	Any country other than Thailand	Any	Any	25.98	Per 1000 pieces	US\$
7	Do	Do	Any country other than	Thailand	Any	Any	25.98	Per 1000	US\$

			countries attracting anti dumping duty					pieces	
8	Do	Do	Malaysia	Malaysia	Any	Any	35.92	Per 1000 pieces	US\$
9	Do	Do	Malaysia	Any country other than Malaysia	Any	Any	35.92	Per 1000 pieces	US\$
10	Do	Do	Any country other than countries attracting anti dumping duty	Malaysia	Any	Any	35.92	Per 1000 pieces	US\$

*The product under consideration in the present investigation is Digital Versatile Disc Recordable of all kinds. Such product includes DVD-R, DVD+R, DVD-RW and DVD+RW.

J. Further Procedures

83. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding. Interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- b) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- c) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

R. GOPALAN, Designated Authority